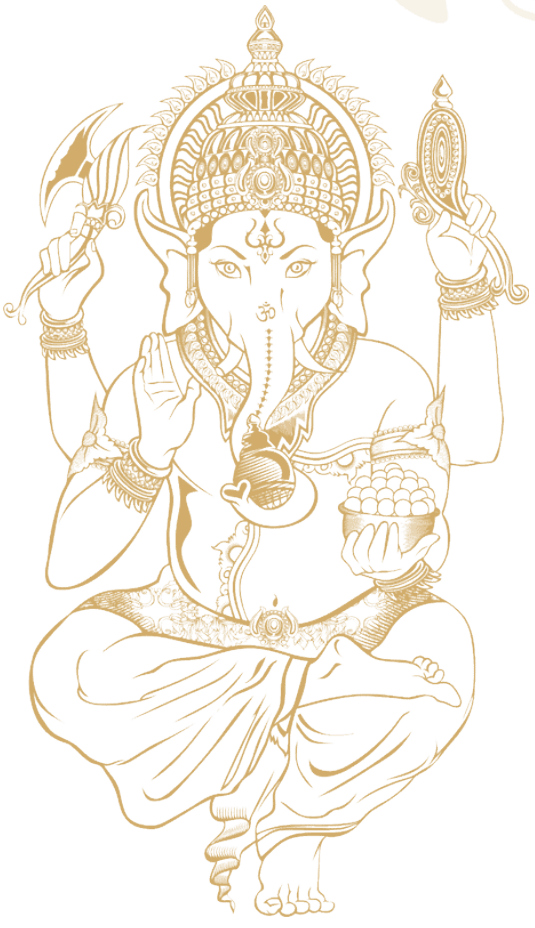

Pratyaksh

Rosy

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120808402

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
02/10/1997	जन्म तिथि	10/07/1995
गुरुवार	दिन	सोमवार
घंटे 20:50:00	जन्म समय	12:00:00 घंटे
घटी 36:29:22	जन्म समय(घटी)	16:13:21 घटी
India	देश	India
Faridabad	स्थान	Kurukshetra
28:24:00 उत्तर	अक्षांश	29:59:00 उत्तर
77:18:00 पूर्व	रेखांश	76:51:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:48	स्थानिक संस्कार	-00:22:36 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:14:15	सूर्योदय	05:28:52
18:05:42	सूर्यास्त	19:26:35
23:49:28	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:50

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 5वर्ष 8मा 1दि	08:41:22	वृष	लग्न	कन्या	16:42:55	बुध 9वर्ष 1मा 9दि
गुरु	15:38:24	कन्या	सूर्य	मिथु	23:45:49	शुक्र
04/06/2021	25:51:54	कन्या	चंद्र	वृश्चि	22:51:18	19/08/2011
04/06/2037	08:46:23	वृश्चि	मंगल	सिंह	29:45:47	19/08/2031
गुरु 23/07/2023	06:54:10	कन्या	बुध	मिथु	05:29:24	शुक्र 19/12/2014
शनि 03/02/2026	18:19:10	मक व	गुरु व	वृश्चि	12:33:41	सूर्य 19/12/2015
बुध 11/05/2028	29:45:17	तुला	शुक्र	मिथु	12:18:48	चन्द्र 19/08/2017
केतु 16/04/2029	23:40:35	मीन व	शनि व	मीन	00:56:31	मंगल 19/10/2018
शुक्र 16/12/2031	25:54:21	सिंह व	राहु व	तुला	08:48:46	राहु 19/10/2021
सूर्य 04/10/2032	25:54:21	कुंभ व	केतु व	मेष	08:48:46	गुरु 19/06/2024
चन्द्र 03/02/2034	10:58:12	मक व	हर्ष व	मक	05:09:12	शनि 19/08/2027
मंगल 10/01/2035	03:22:02	मक व	नेप व	मक	00:33:08	बुध 19/06/2030
राहु 04/06/2037	09:41:22	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	04:14:59	केतु 19/08/2031

लग्न-चलित

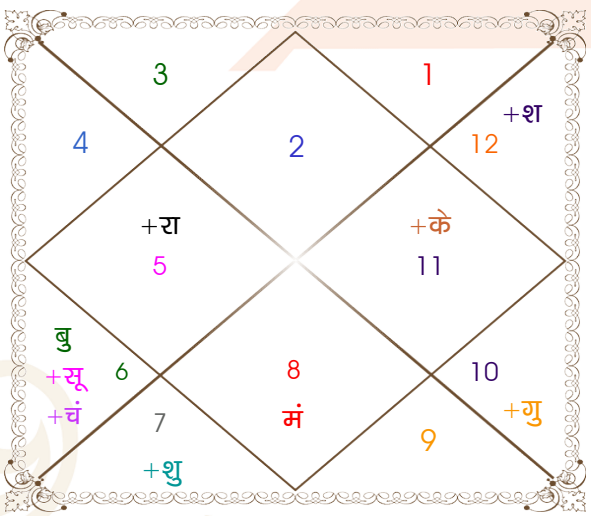

लग्न-चलित

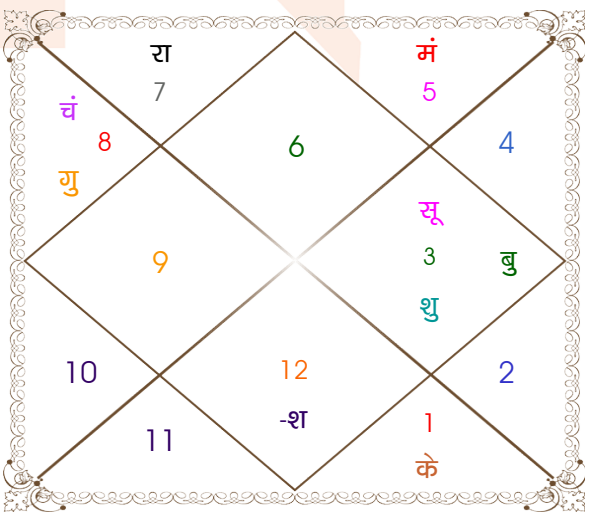

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	मृग	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

च्तंजलीी का वर्ग मूषक है तथा Rosy का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार च्तंजलीी और Rosy का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

च्तंजलीी मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल च्तंजलीी कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Rosy मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Rosy कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि च्तंजलीी कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

च्तंजलीी तथा Rosy में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।